ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 27-08-2024

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-08-27 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-08-28	2024-08-29	2024-08-30	2024-08-31	2024-09-01
वर्षा (मिमी)	30.0	20.0	20.0	15.0	15.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	23.0	23.0	24.0	24.0
न्यूनतम तापमान(से.)	18.0	18.0	19.0	19.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	94	96	92	92	94
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	79	80	73	61	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	6	5	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	140	140	140	130	120
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	7	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी सप्ताह में 15-30 मिमी हल्की वर्षा तथा अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 23.0-24.0 डिग्री सेल्सियस तथा 18.0-19.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवाएँ दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व-दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्व-पूर्व दिशा से 5-6 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। 27 से 29 अगस्त तथा 02 सितंबर, 2024 के दौरान अनेक स्थानों पर तथा 30 अगस्त से 01 सितंबर, 2024 के दौरान कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 27 अगस्त, 2024 के लिए कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की पीली चेतावनी दी गई है। तथा 27 से 31 अगस्त, 2024 के लिए कुछ स्थानों पर बिजली चमकने के साथ गरज के साथ तूफान आने/ तीव्र से बहुत तीव्र वर्षा होने की चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध "दामिनी" ऐप से बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.20-0.40 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 23.08.2024 से 29.08.2024 के दौरान सामान्य वर्षा, अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, हल्की से मध्यम वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए खेती की गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान में कहीं-हींकहीं पर बैक्टीरिया जनित झुलसा रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। जिन खेतों में पंक्तियों के अगले भाग सूखकर सफेद हो गये हों या पंक्तियो के दोनों किनारे ऊपर से नीचे की ओर सूखते हुये सफेद हो रहे हों वहाँ खेतों में कॉपर ओक्सीक्लोराइड 500ग्राम तथा स्टेपटोसाइक्लिन 15ग्राम, 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिकाव करें। छिड़काव करने के पूर्व खेत से पानी निकाल दें तथा यूरिया का प्रयोग न करें। छिड़काव 7-10 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
मक्का	फसल की उचित निगरानी करें और झुलसा रोग के लक्षण दिखने (लम्बे तथा अण्डाकार नाव के आकार के पीले से भूरे राण के धब्बे) पर मैंकोजेब या जिनेब 75 डब्लू पी की 1. 5 -2. 0 कि. ग्रा. मात्रा को 750 -800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से डालें। दूसरा छिड़काव प्रथम के 10 -15 दिन बाद करना चाहिए। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के नुकसान से बचने के लिए क्लोरान्ट्रा नीलीप्रोले 18.5 एससी का 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
रागी	फसलों की निगरानी करते रहे और आवश्यकता अनुसार निराई-गुड़ाई करें। खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और सभी कृषि गतिविधियों पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
गन्ना	मैदानी क्षेत्रों में, सफ़ेद गिडार/ कुरमुला कीट के नियंत्रण हेतु फिप्रोनिल 40 प्रतिशत तथा इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लू जी को 200 ग्राम/प्रति एकड़ की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में प्रयोग करें। जल भराव की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और विशेष रूप से रासायनिक अनुप्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	फसलों की निरंतर तुड़ाई की जानी चाहिए और खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए।
शिमला मिर्च	फसलों की निरंतर तुड़ाई की जानी चाहिए और खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए।
गोभी	गोभी, फूलगोभी, ब्रोकोली और नोल-खोल की शुरुआती किस्मों के साथ-साथ मूली और शलजम जैसी जड़ वाली फसलों का प्रत्यारोपण मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में किया जा सकता है, लेकिन खेत में पर्याप्त नमी के बाद ही किया जा सकता है। पूर्वानुमानित वर्षा के अनुसार उचित जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
सेम की फली	फ्रेंच बीन/लोबिया में सफेद सड़न को नियंत्रित करने के लिए कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम/लीटर का छिड़काव करना चाहिए। कृषि कार्यों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
राजमा/ लोबिया	फ्रेंच बीन/लोबिया में सफेद सड़न को नियंत्रित करने के लिए कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम/लीटर का छिड़काव करना चाहिए। कृषि कार्यों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है। 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए। पशुओं को गलघोटू रोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें।
गाय	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है। 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए। पशुओं को गलघोटू रोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें।